...In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu

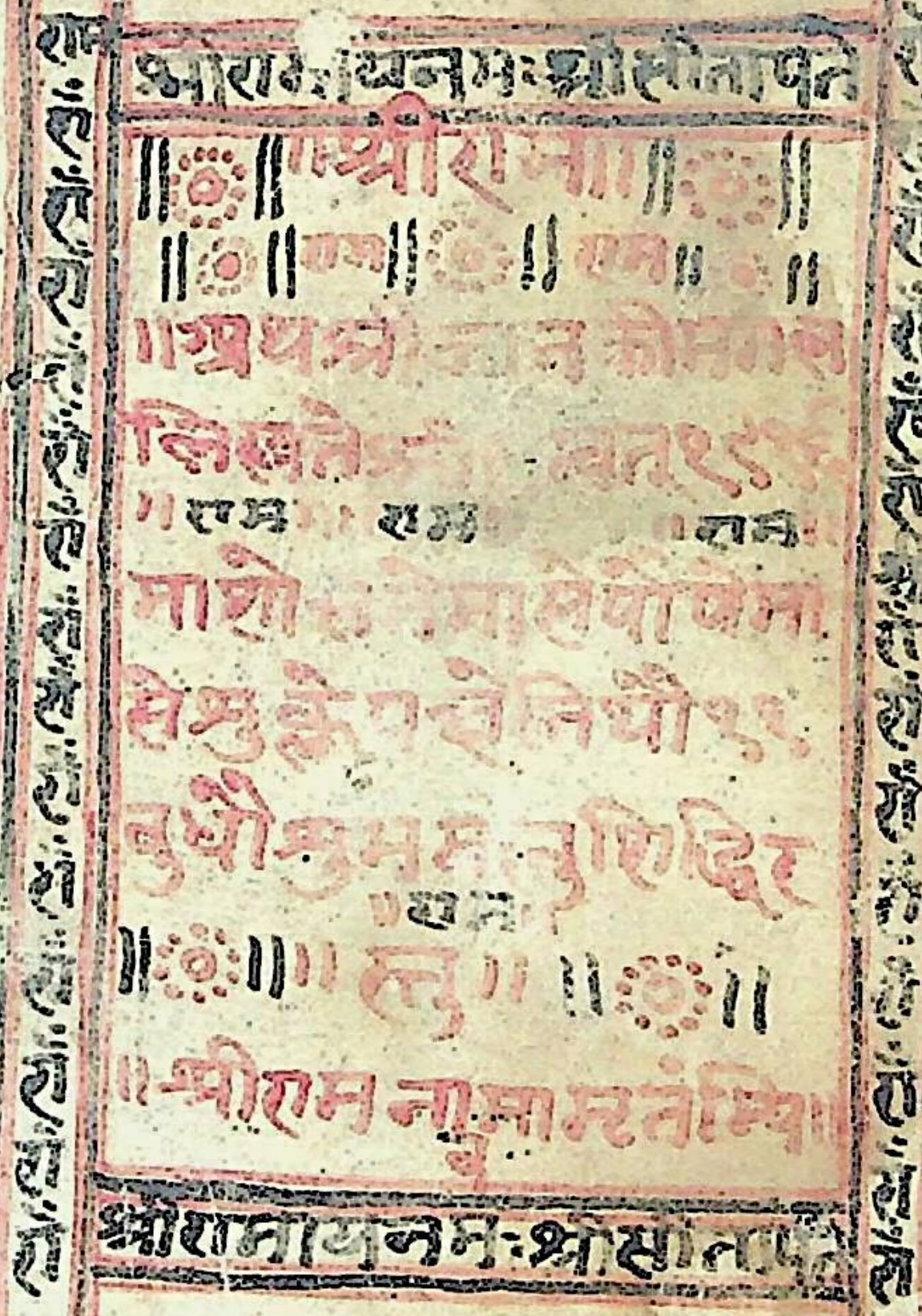

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

ॐ॥ ॐ॥ श्रीगणेशायनमः॥ श्रीसरस्वत्यैनमः॥ श्रीगुरुभ्योनमः॥
॥ श्रीमतेरामानुजायनमः॥ श्रीजानकीवल्लभोविजयतेतराम्॥
॥ श्रीजानकीमंगललिख्यते॥

गुरुगनपतिगिरजापतिगौरिगि
रापति॥सारदसेषसुकविश्रुतिसे
तसरलमति॥पुनुंथजोरिकरिवि
नैसबहिसिरनावौं॥तियरघवी
रविवाहुजथामतिगावौं॥१॥सु
दिनरचोस्वंवरमंगलदायक॥
सुनतश्रवनहियबसहिसीयर
घुनायकाइदेससोहावनपावन
बरबधानिरुपनूमितिलकसम
निरुपतिभुवनजानिश्रम॥२॥

Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

तहँवस नगर जनकपुर परम छजा
ज्र॥सोभ्र लखि जँह्र गटीसवगु
नभ्रागर॥घ॥जनक नाम तेहि ग
ख्रसैनर नायक॥सवगुन भ्रधि
नदस्र पढतर लाए क॥धा न्रउन
होइहि तजनक सम नरव॥सी
यसुतान्रजा सुकलमंगलम
उ॥ज॥न्रपलषिकुवरि सयानवो
लिगुरुपरिजन॥करिमतर्चोस्र
वरसिवधनुधरिप्रन॥ढ॥घंदा
प्रनधरेउसिवधनुरचिस्वयंरलि
ख्रातिस्चनावनी॥जनुप्रगटचतुर
ननदषाईचतुरतासवग्रापनी॥घु

॥राम॥
॥१॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

निदसदलसँदसपठए नृपसुनिसँ
चुपावहिं॥सबसाजसाजिसमाजरा
जाजनकनगरिप्रावहिं॥१॥सुम
सीलवयबंसविरुदलबलनीले
॥मनहुपुरंदरनिकरउतरिश्रवनी
चले॥२॥दानवदेवनिसाचरकिंर
नरग्रहिगनासुनिधरिधरीनृपवे
षचलेप्रमुदितमन॥३॥एकचल
हिंएकबीचएकपुरपैठहि॥एकघ
रहिघनुघुनाइसिरबैठहि॥४॥
रंगभूमिपुरकौतुकएकजिहारहि॥
ललकिलोचनाहिनयनमननकेरिन
पारहिं॥५॥जनकैंएकसिहाहि

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

दरसनमानतबाहेरभीतरभीर
नवनैवधानतरहागनिसो
नकीलाहलकौतुकजैहतहा
सीयनिवाहउबाहुजाइकहि
कापहुरहागाधिसुवनतेहिम्र
नसरप्रवधिसिधारउनृपति
कीन्हसनमानभवनलेग्प्रास्उ
एपूजिपहुनइकीन्हपाएप्रिग्र
पाहुनाकहेनृपमोहिसरिस
सुकृतकियकाहुनाहेंबंद
काहुनकीन्हउसुकृतसुनिम
निमुदितन्पहिवधानेउाम
हिपालमुनिकोमिलनसुष ॥एम॥
॥३॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

॥ण्म०॥
॥जी०॥
॥३॥

महिपालमुनिमनजानेउ॥ प्रभु
रागभागसोहागसीलसरूपबे
भूषनजहँहियहरषिसुतनह
समेतराजाद्वारहिपाएन्ह॥
रीश॥ कौशिकदीन्हमुग्धसीस
सकलप्रमुदितभईसीचीमन
मनहुसुधारसकलपसंता
॥ रामहिंभाइन्हसहितजबहि
मुनिजोहेउनैनप्रेमतनुपुल
किसपमनमोहउ॥ परसि
कमलकरसीसहरषिहियलाव
वहिंप्रेमपयोधिमगनमुनिपा
रनपावहिंपरमधुरमोनाह

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

स्मृतिसादर चाहहिं वारंवार हरष
यकेहु कान सराहहिं एक एक
हेउ करजोरि सुवचन सुहावन
नसउ कोरथ आजु देखि पद पाव
॥१९॥
मातु मनोरथ पूरन कामचारि फर
लदायक तोहि तेहु कृतकाज
उहाँ मुनिनायक आश्रम कौसिक
सुनि नृपवचन सराहि बिराजहि
धर्मकथा कहि कहि उगएउ जोहि
काजहिं राजवहिं मुनीसम
होसहि काजसुनाएउ नसउ
सनेहु सत्यवसउ तरुनग्रासउ
॥२०॥ छंद ग्रासउ नउ तरुबरसि
फूलहि बिबुध जनाति नृपसमुहासउ

॥ना ४॥
॥३॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

कहुजाधेसुततपतेजुकछुर
घुपतिप्रभाऊजनायऊचीरजग
रेउगुरुवचनसुनिकरजोरक
कीहालघनीकरुनानिधानन
जानप्रभुसोंउचितनहिविनती
घनी॥३॥नाथमोहिबालकन
सहितपुरपरिजनाश्रयनिहारतु
म्हारअनुग्रहघरवनाश्रुदीन
वचनबहुभाँतिनृपमुनिसौंक
हेसौंपिरामप्रलुलषनपाएँ
पंकजगहेश्रुपाइनानुपितु
प्रायेसुगुरपाएनरुपरेकटि
निषंगपटपीतकरनिसरेधनु
बरेश्रुपपुरवासीनरुपरानेन

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

संगदीयेमन॥वेगिफिरहुकरि॥
काजकुसलरघुनंदन॥श्टाई॥
समनाहिंग्रसीसहिजयजस॥
पाइहु॥न्हातपसैजनिबारहि॥
फिजानिल्नाइहु॥श्रीचलतस॥
कलपुरलोगदियोगविकल॥
चरण॥लानुजभरतसप्रेमरामपा॥
एननयें॥इणहोहिसगुनसुभमं॥
लजनुकहिदीन्हउराम॥लषन॥
मुनिसंगगवनतवुकीन्हउ॥इ॥
श्यामलगौरकिसोरमनोहु॥
एतानिवि॥लुषमासकलसंकं॥
लिमनहुविरचेउविधिबिधु॥इ॥ध॥
दुविरचेवेंचिवनाइवाचीरु॥

॥राम॥
॥४॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

चरनारंबिंदनहिंरचारिमुदनु
विचारिदेखीविचारिनहिउपमा
कहींरिषिसंगसोहतजानमग
छविवसतिसोतुलसीहियेकि
योगवनजनुदिननाथउत्तरा
गमधुमाधवलिंजेषागीरितल
बेलिसरीतसरिविपुलविलोक
हिंधावलिबालतुमालविलं
मगरोकहिंइशसकुचहिमुनि
हिसचीतवहुरिफेरिश्रावहि
तोरिफूलफलकिसलयमा
लवनावहिंइठदेखिविनोद
प्रमोदप्रेमकोरिकठोरकरत
जाहींघनहींहसुमनवरषहि

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

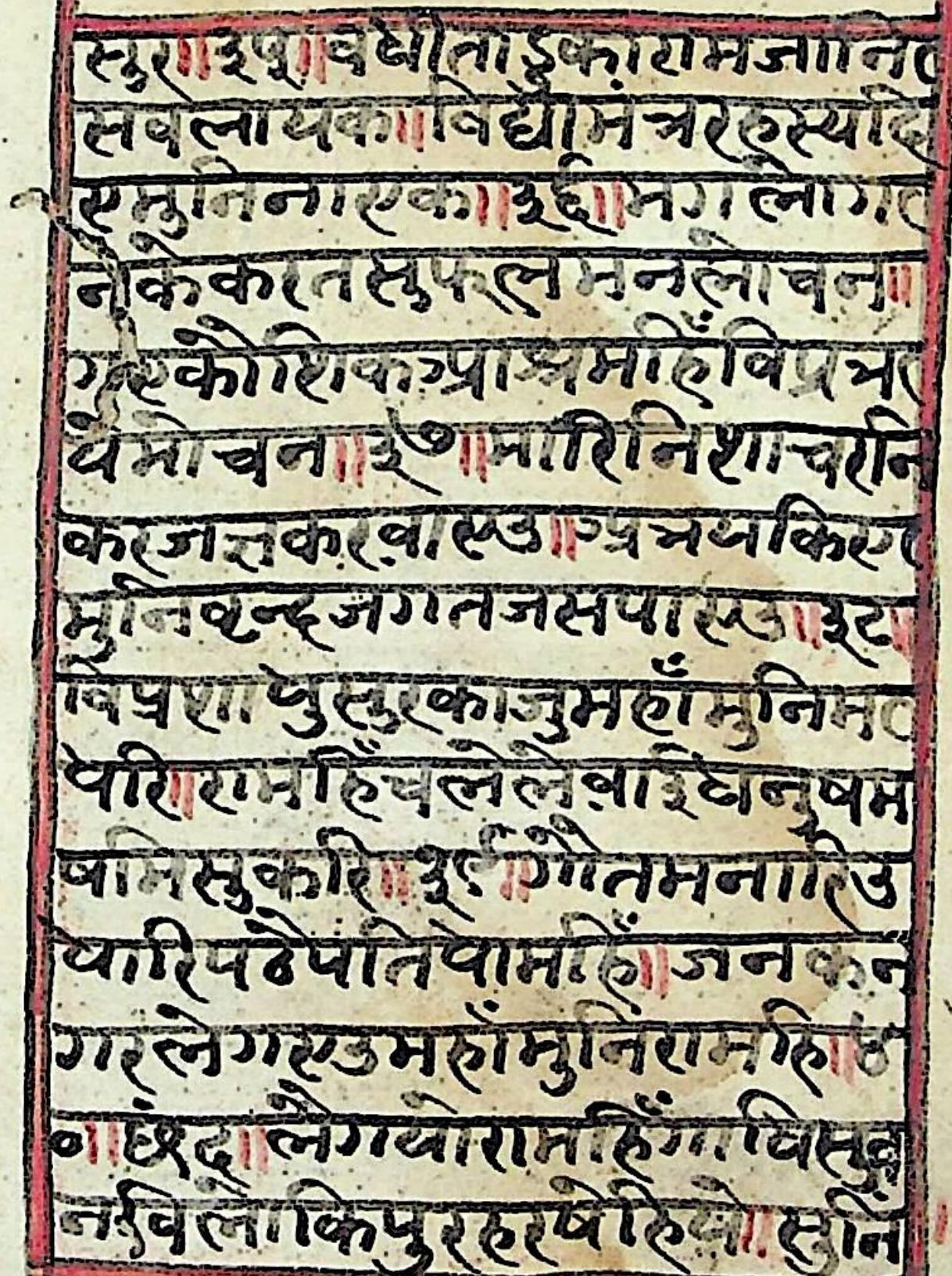

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

रघुश्रीगलनग्राम्उसाचवगुरभू
सुरलिएनृपगहिपायग्रसीसपु
समानग्रादरग्रतिकिएग्रवलो
रामहिंग्रनुजबुतनबम्हसुपु
गुनविए॥पुदेखिमनोहरमूरति
नग्रनुरागेउ॥वैधवसनेहविदेहवि
रगविरागेउ॥हथजमुकिनहैसर
कतमलग्रघसागरजहउपजहि
ग्रसमानिकविधिवडनागर॥श
पुन्यपबोधिमातुपितुसिसु
हितरूपसुधासुखदतनयनग्रमु
रनिबरु॥४३॥विषयावामुषमलम
सेश्वरमारथ॥रूकहिदेषिन्ह्योम
गनजानिबरुस्वारथ॥४४॥कहि
सुकतीकेकुवरकहियमुनिना

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

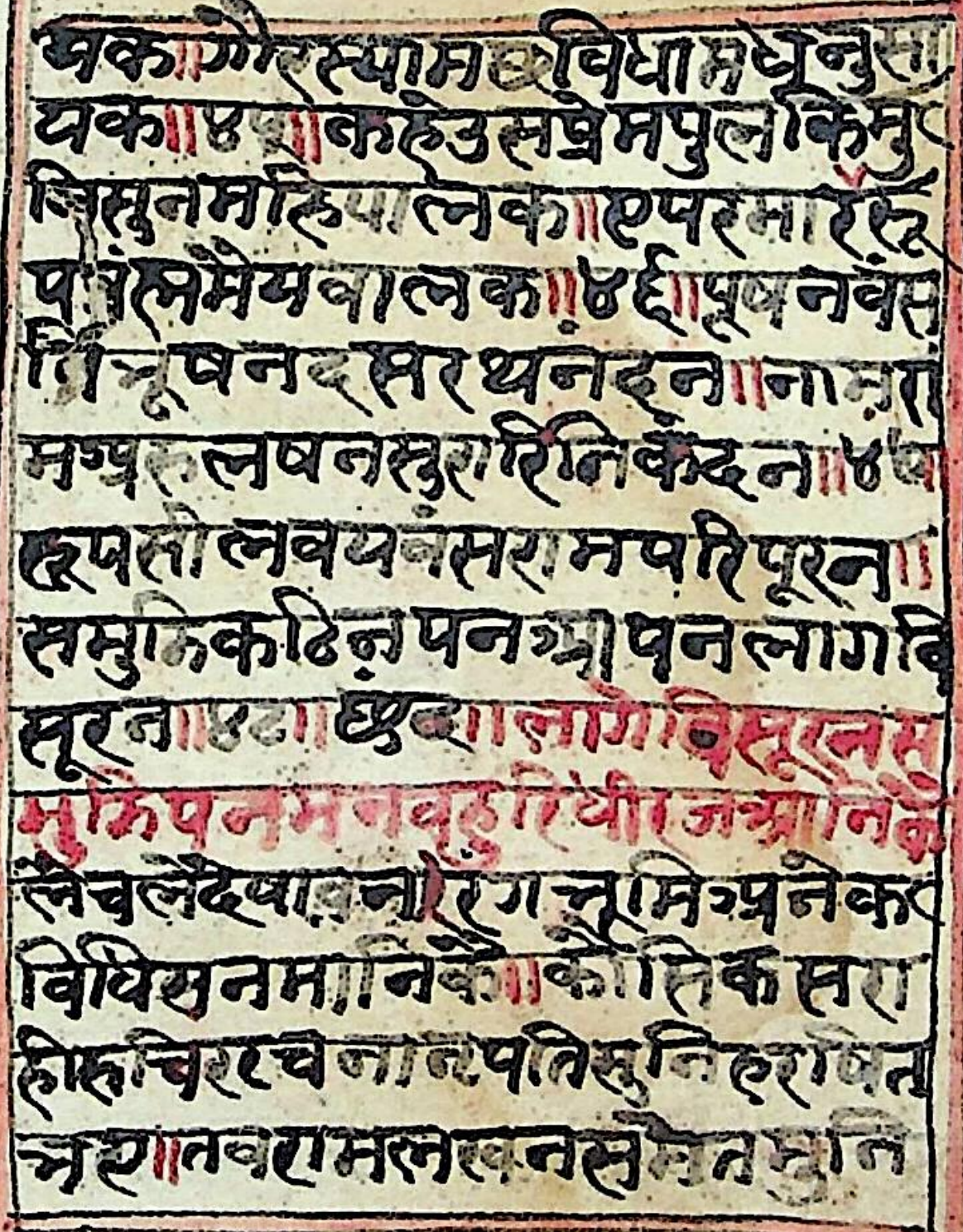

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

कहकहगाहिहासनहरषा॥६॥
राजनहजसमाजजुगलरघुकुल
मनिमनहुसरदविधुदृयनषत
धरनीधरनीधनी॥४०॥का कृपि
हसिरसुगासिरोरहलोचन॥गौर
स्यामसतकोटिकाममदमोचन॥
पूर्णिलकुलसिंगारकुटीका
मकमानै॥अतनविभूषनहोचरे
विमनमानै॥५१॥नासाचिबुक
कपोलअधररदकुंदबदनेसरद
विधुनिंदकपरमनोहरसुंदरि
लालचषकधसुभ्रूचुजश्रीतिकै॥ ल
पीतवसनउपवीतकंठनुकुलाफ
ल॥५२॥कटिनिषंगकरकमलनि
लिएधनुसाएकालकलएगम

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

नमोहन जोहन लायक पुरुषारथ
मलपन बिदेषि मगन मन हरषु
रजनाउर प्रनहजल लोचन मोर
पुलकित तन पुष्प नगरि परस्पर
कहहि देषि दोउ भाइ न लहेउ जन
मफल ग्राजु जनमि जग ग्राइ
भूरि छ्य जोग जग जनमि लोचन
लाहु पाए सकल सिवफिरु
बोलि बचन मिलहि लीन हि लावहि
हमरहि मंगल गावहिं एक
कहहि सोरि कुलिस
कठोर हिय वे नुहए मो किमि
लोहिँ वालम मलम दरन पहि
अलकाहु नकहा निसरत
सवन्रूप विलोकन हिय

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

नपरिहरिसियदेवजननकवरुस्प
महिपूछकहहिएकमालिवातद
व्याहुभलहोइहिकुलहिनिल
लिजनकग्रपनपनबाइहीपूर
सुचिसुजानभूपकहँहिहुमहिछ
ससूरुश्तेजप्रतापरूपजहनहँ
वलसूरुश्चितश्नेसकहुरामन
नुगालवजावहुविधिवसवल
उलजानसुमतिनलजावहु
इग्रवसिरातकेउठलसरासन
दृटिहिणावनिहिराजसमाज
नोकग्रसफूरिहिएकरूपि
ग्रहुभरिलोचनरूपसुधारसु
करहुकतारथजननहोकतन
रमसुईशहुदिसिराजकुमार

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

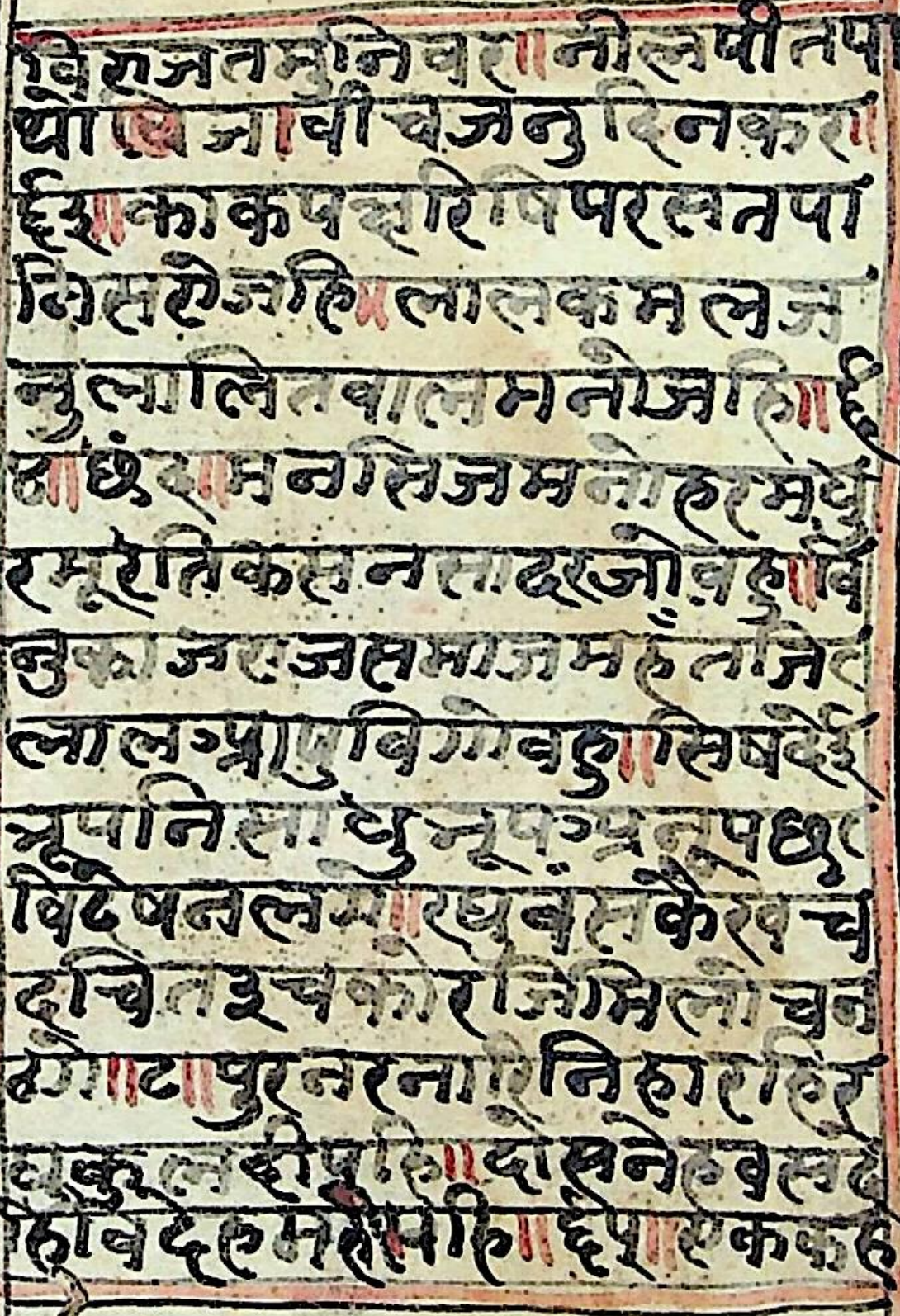

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

हिमलभूषदछअनिदूषनान्य
बनसोहविनुवचननोकोवि
नुभूषनाहिंहमरजालजनि
बृहतलकोकछुपनाहिंसु
लोचनलाहसबनकहदीख
ब्रह्मसुखसकलनरनागरजो
नग्नलिलाषहिंसोपरहिंजग
हीसिपेजपनरोषिहिंहथप्रथम
सुनतजोरिवरमगुनरेपाहिंवो
लिव्याहिंसियदितदोसनाहिं
पाहिंहिंग्रबकेपइजपचमहं
जोग्नत्यागहिंविधिगतिजानि
नजायअजसेजगलागै॥७॥
ग्रजहुस्रवसिरघुनंदनचापचढा
उवाव्याहउछाहसमंगलनित्रुव
नगाउवा॥९॥लागिरहोषनेहो

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

कहिन्नृपतिन्हाँमिनिकलतव
चनरदलसहिदनकजनुदामि
निाणिछद्दाजनुरमकिदामि
निहूपतिमदुनिहिसुदरिसो
हहीमनिछिगदेषारसाधिनर
कुवरविलोकिछविन्निननारि
हाँसियमातुहरषीनिरषिस्
षमाग्रनिग्रलौकिकरामुकी
हियकहतिकलैवकुवरकहे
विपरीतगतिविधिवामकी
कहिप्रियवचनसषिनलनर
निविरहतिकहाँकहिनासि
वचायकहाँमदुमूरति॥३॥
जोविविलोचनग्रतिथिको
तनहिरामहिंतोकोउन्यप

॥रम॥
॥८५॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

हिनदेतहांसुपारनामहिंछा
ग्रावग्रसमजासभस्तुनकाघुक
हिग्रावैरानिहिजानिसकासोचस
पीलसुकावैछाड्यादेविसोचप
हिहरियहरषहियग्रानिय
चापचढाउवरमवचनफुर
मानियाछहीतीनकालकर
ज्ञानकौशिकाहिकरतलमें
किस्वयंवरग्रानहिंवालकोप
नुवलाछाडमुनिमहिमासुनि
शानिहिवीरजग्रास्ठातवस्
वाहुदनजसुसपिनसुनाए
डाछ्यासुनिजियभस्ठचरो
सरानहियहरषाहिवहुरि

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

निरखि रघुवर प्रेम मन करष
हिय न परै नर पुर लोग राम
तनु चितवहिं मंजु मनोरथ क
लस नयन प्रसून चहैं ॥ ८ ॥
घरी रितु बिचरहिं बनु निरखि
छिनु छिनु निरखि राम हिंसौं
चहि नर नारि हरष विषाद बस
हिय सकल सिय सिंसोच
हित बरु जनक प्रायेउ कृपाइ
कुल गुरु जानि कहिअ रघ
प्रास सिय परासिनि
रिलो चन लालु लोग न पास
एहि मंगल मूषन बसन म
जुत नसो हरषि चुरु भरि
पालनि हवसमोह ॥ ९ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

रूपरासजोहिघ्रारसुनासनहार
सुनीलकमलसरश्रोनिमनन
जनुरारुटधिचतसीनहिहि ह
नरामहिंपुरजनदेषहिंरूपसील
वयवंसावंसेषनलेषहिंटरु राम
दीपजवसीयसीयरघुनायक
देउतननकितकिमयनुसुधा
रतसायकटरुप्रेमप्रमोदभर
स्यरसगतगोपहिंमनहुंस्वय
गुनगनथूनिथूरोपहिंटपू
रामसीयवयसमोसुनासंसोऊं
वनाउपज्योंवनछनिपुरन
चहतजनुछावनाटरुसोछ
विजाईनवरनिदेषिमनमानै
सुधापानकरिमूककिस्वाद

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

बधानहु दूत न बिदेह प्रनव
दिलप्रगास्नुनास्यउढे नृपग्रामर
बिसगुननोहपास्यउ दूछ दान
हिलगुनपास्यउरहोनिसुकारिस
कथनुदेवनागएटकटोरिकपि
ज्यों नारिभरसिसुनाहुसचवें
ठलनरकरकरहिदापनचों
पसज्जनबचनजिमिटारेटूरै
दपनहुषज्यों सबकेविलोक
तनुपिबलबरबसंहै ॥१॥ दे
देषिसपुरपरिवारजनकहिय
हरेठनृपसमाजजनुतुहिन
बनजबनमारेउ टए कउसि
कजनकहिंकउदेहप्रनुस
सनदेषिभानुकुलभानुफस
भूसरस्वनदेवमुनिबरतुम्ह

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

रूप रास जो निरखि स्रु नासन हार
सु नील कमल सरश्री नि मन
जन सारद टि छि त सो नहि छि ह
नर मनहि पुर जन देषहिं रूप सील
वय वंस बिसेष नलेषहिं टेक राम
दीप जव सो यस सीय रघु नायक
देउ त न ता कि ता कि मय नु सु धा
रत साय क टेक प्रेम प्र मोद भर
स्र वत गो पहिं म न हुं स द्य
सु न गा म थू नि धि रो पहिं टेक पू
राम सीय वय स मो सु न्दर सो हैं
व न न्प ज्यौं न छ नि पुर न
च हत जनु छा व न टेक सो छ
वि जा ई न वर नि दे षि म न मा नै
सु धा पा न करि मू क कि स्वा द

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

बषानउ ट॰ भ नवविदेहप्रनव
दिनप्रगासुनास्उ ठठ नृपग्रामर
षिसुननहपास्उ ट॰ ठ छदान
हिलगुनपास्उरहोनिसुकारिर
कवनुदेवनगए टकटौरिकपि
ज्यौंनारिजरसिलनाउसव
ठतनएकक्करहिदोषनचौं
पसज्जनवचनजिमिटारेटरै
नृपनहुषज्यौंसवकेविलोक
तनुपिबलबरबसंहै ॥१॥
देषिसपुरपरिवारजनकहिय
हरेउनृपसमाजजनुतुहिन
बनजवनमारेउ टर्यकउ
कजनकहिंकउदेहप्रनुस
सनदेषिभानुकुलभानुफस
भूसरासनाट॰ मुनिवरतम्ह

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

रेकचनमेरुगिरिडोलै तदपि
चितयाचरतपाचलबोलै
एह बानबानजिमिगएउगाव
हिंदसकेंचर कोग्रवनीतलईन
समवीरपुरंधर एह पारवतीस
मसरिसग्रचलधेनुचालक
एहिंपुरारितेएकनारिव्रतपा
लक एहि सोपुकहियविलो
कनभूषकिसोरहिं भेदकिसि
एसुमनकननकुलिसकठो
एहि एक रोमरोमप्रतिनिंदति
सोममनोजनी देषियमूर
तिमलिनकरियमुनिसोज
नि एषु तुनिरसिकरुजन

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

कथहम्हरातिसोहइ स्वामिरतस
हतमोहमलसकलविछोह
इ ९६ छंद सवमलविछोह
निजानिमूरतिजनकौतुक
देषहु धनुमषुत्रपवलजलु
वलारघुवरहिकुलजलेषहु
सुनिसकुचसोचहिजनकगु
हपदवंदिरघुनन्दनचले मं
हिहरषदेवविषदिकहरन
सगुनसुमंगलप्रेलि १२
वरिसनलगेसुमनसुरदुंभि
वाजहि मुदितजकपुरपरि
जननगानलाजहि ९७
महिमहिवरनिलजनकहव
लहिवढ़ाइन रामचहतासि

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

बचौंपहिचपरिचढावन ए
गएसुआएसतबचौंपतमौंहि
सौंचसहितपरिवारविदेहमी
पहि ऐहे कहिनसकतिकछु
सकचानिसियहियसौंच३
गौरिगनेसगिरीसहिस्वामी
सकोचु १०० होतिबिरहरे
मगजदेखिरघुनाथहि फरक
बामसुनयनदेहिजनुहाथ
हि ए० धीरजुधरतिसगुनब
लरतिसोनाहिन नरुकिलो
रवनुघोरदुनाहिदाहिन ए
सूगुरुजामीरामुमरमसनजा
नउ कौतुकबनुपचढाइआव

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

नलोगेनानेउ एऊ प्रेमजरि
रघुवीरलखनमंजेउ जनुम
गराजकिसोरमहागजगंजेउ
एर छंद गंजेउसोगर्जेउघो
रघुनिकुनिभूमिभूधरल्लस
रे रघुवीरजसमुकुतावि पुल
सबचुवनपटपेटकभरे हि
तमुदितग्रनोतनकेतमुष
छविकृतकविधनरागकी
जनुभोरचक्रचकोरकरस
घनकमलतडागकी ऐ न
मपुरमंगलगाननिसानगह
गहे देषिमनोहरसुरतहुलह
लितलहालहे एपू तबडप

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

राम ॥
जो० ॥
२४ ॥

राहित पाणिग्रहण कहुं सखिनसन
गौरि न चलेलेवाएजाननकिहि
भामनभावन १०६ करकम
लनिजैमालजाननकोसोहइ
सरनिसकेछविअतुलितअ
संकाविकोहइ १०७ सीयसने
सकुचवसपिअतनहेरइ ल
रतरुपरुखेलिपरनजनु
फेरइ १०८ लसतललितक
रकमलमालपहिरावत का
मफंदजनुचंदहि चहतफंद
वत १०९ रामसीयछविनि
रुपमनिरुमसोदिन सुषस
माजलाषिरानिन्ह आनंदहि

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

नछिद्र ९२० भूमुहिमाल्य
हिरायजानुकोहलए चली
सुषीमनहुंविद्रुदयमुदित
वैरवकली ९२१ बरषहि
बिबुधप्रसूनहरषिकहेजय
जय सुषलनेहनरेन्द्रवरना
मगुरपहिगए ९२२ छंद
गेहगगुरपहिकरतीं
नारिनरआनंदभरे सुमुखे
षितकरिकरिनीलिकरसी
तलसुवासागरपरे कोश
कहिपूजिप्रसंसिआयसुषा
इत्यसुषपाए लिषिल
गनीतिलकसमाजसजि

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

कुलगुरुहि अवधि पठाएउ
एउ मुनिगन बोलिकहेउ
नृपमाउ छाउन गाँवहिं
गीतसुआसिनि बाजबधावन ९२
सीयरामहितपूजा
हिगौरिगनेसहिं परिजनपुर
जनसहितप्रमोदनरेसहि ९३
४ ऋषभुरुदबंदनकरिमंग
लगाँवहि करिकुलरीतिक
लसचीकेलचढावहिं ९४
गोमुनिअवधिविलोकिसु
मरितनहायउ सतानंदस
तकोटिनामफलपाएउ ९
एहि नृपमुनिआगेआइपू

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tru

जिसनमानेउ दीन्ह लगन
कहिकुशल राउहरषानेउ
एहि सुनिपुरमएउ प्रनंदबधा
बजनबाजहि सजहि मंगल
कलसबितानबनाबहि ११८
राउछाँडिसबकाजसाजसब
सांजहि चलेउबरातबनाइ
पूजिगनराजहि ढील बाज
हिढोलनिसोनसंनाल
पासउ सियनैहरजनाकोर
नागरानयरायउ १२० छंद
नियरानिनगरबरातहरषी
लेनबगवानीगए देखतप
हरषनिलतमानप्रेमपरिपू

॥ एम ॥
॥ ९५ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

रा॥
जा॥
१६॥

रनाहरा॥ग्रानंदपुरकौतुककोला॥
हलबनतसोवरनतकहा॥लैठिये॥
तँहजनवासलकलसुपासनित
नूतनजहाँ॥१५॥जोजनवासहिकौ
सुकरामलषनलिएहरषनिरषि
वरातप्रेमप्रमुदितहिए॥२१॥हर
लाडलिएगोगमोदप्रतिभूपहि
कोनसकतसतसेषअनुकूलनु
पहि॥२२॥यकौशिकहिपूजदा
नविप्रनिष्ठियेरामसुमंगलहेतु
सकलमंगलकिए॥२३॥व्याह
विभूषनभूषितभूषनभूषना॥वि
स्वविमोहनवनजविकासकपृष
न॥२४॥मध्यवरातविराजतभ्रे

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tru

नित्य अनुकूलेउ मनहुँ कामसुखारा
मकलपतरफूलेउ ॥२५॥ पढहिं भ
टबेदेकबहुतबहु नीतिन्हदिखत
देवलिहाहिंअनदघरीतिन्ह ॥२
बेदबिहितकुलरीतिकीन्हदो
उकुलगुरु ॥ पढ़ेबोलिबरातजन
कप्रमुदितमुरा ॥२७॥ जाइकहेउप
गुधारियमुनिगनेनि ॥ चले
सुनिरिगुरजोरि गिरीसुनेसी
॥२८॥ छंद ॥ चलेसिंगुरस्व
रसमनवरषहिं परेबहुविधि
पावडेसनमानिसबविधिजे
नकदरयकियेप्रेमकनउ
डेगुनसकलसमधीपरस्यरमि ॥ रम ॥
॥ ९६ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

लतग्रातग्रानदलेहाजयेयन्य
जयजयेयन्येयन्यविलोकिसु
रनरमुनिकेहेर्ईतीनिलो
कप्रवलोकोहिनाहिंउपमाको
दूसरथजनकसमानजा
कदूसरथदीउ॥ईसजहिस
मंगलसाजरूसिरानिवासहि
गोजकरिकपिकुवेनिसहित
परिहरिहिफूलेउभारमादि
कलुकेतुसुनिप्रमुदितभ्रउ॥
कपटनारिवरवेषविरंचिमंडप
गहिएहिमंगलग्रारतिसाजि
वरीकपरिछनचलीजनुनिग
सीरविउदयकनकपंकजक

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

लो॥१३॥नषोसिषसुन्दररूप
रामरूपजनदेषहिं॥सर्वइन्द्रिन
महइन्द्रनिलोचनलेषहि॥१३
॥परमप्रितिकुलरीतिकरहि॥
जगमिनी॥नहिंप्रधाहिंअनु
रागनागचरिभोमिनी॥१३॥
नेगचारकरिनागरिगहल्ल
गावहिंनिरखिनरेंधेआनद
सुलोचनिपोंवहि॥१३॥करि
आरतिनिछावरिभरहिंनि
रहिंप्रेममगनमनदागनत
ननसमहारहि॥१३॥घंदान
हिंनसमहारहिंछबिनहोर

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

ाम॥
ाजी०॥
ाद्द॥

हिनामेषारघुजनुरनजर॥
चक्रवेलोचनरामरूपस्खजं
सुषमाग्रीत्रणतवजनकसे
हितसमाजराजहिंउचितरं
चिरासनदधोकोहिकहिव
लिष्टहिपूजिपूजेराउदेअंबरन
योा१०दिनअरघरघुपतिहिमं
डपैलेचलीकरहिंसुमंगलगानं
उमिग्रानदग्रालीा२७वर
विरंजमंडपमहाविस्वनिमोहे॥
हितुवसतवनमध्यमदनजनु
सोहइरद्दाकुलविलासरवे
हविधिचाहिअजहिंजसाऊपरे
हितहोउकहिंमहितमनत

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

हतसाएर्ह्रो.वएहिपूजन्नपद्
न्हसन्नागसिघासनाचलैं
दुलहिनीहिल्यासुपासुश्रेनु
सासनाएहं.जुवतिजुथ्यमद्
सीयसुनायविराजयठपमाव
हतलजाइभारतीनाजयाएहर
दुलहदुलहिनिन्हेंपिनारि
नरहरषाहिंछिनाछिनगान
निसानलुमनसुरहरषाहिं
एलेलेनाडुल्लुग्रासानमग
लगावहिंकुवरकवरिहितम
नपतिगिरिपुजावहिंएहा
ग्रागिनिथापिमिथिलेसकुस
दकरलीन्हेउकन्यादानवि

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

जानसंकल्पहिको नेऊ॥१५॥
॥छंद॥संकल्पिसियरामहि
समरपीसीलसुषसोभाधाम
जिमिसंकरहिगिरिराजगिरि
जाहरिहिश्रीसागरद॥सिंदू
रबदनेहमलावाहिनलागीभौं
बरी॥तिलकोहनीकरिमोहनी
मनहरयेमूरतिसाँवरी॥१२॥
एहिविधिमंगलविवाहऊछा
तिहूपुरादेहिसीसमुनी
सुमनवरषहिसुर॥१५॥
मनभावतविधिकेनमुदित
भामिनिभउवरलाहिनि

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tru

लेवा इस्षी कोहवरग ॥ १५८
निरखि निवर कर हिवसन
मनि छिन छिन जाइ न वर
नि विनोद मोद मय सो दिन ॥ १
४० ॥ सिय भ्रा ताँके समय मौम
न हजाय उ दुरि दुरा के रि ले ग
सुनात जनाय उ ॥ १४२ ॥ चतुरा
रिवर कुवरि हि रीनि सिषा वहिं
देहि गा रिलह कौ रिस मौ सुष
पावहि ॥ १४७ ॥ जुवा षे लावतकौ
नुक को न सयानि न्ह ॥ जीति
हार मिस दे हिं गा रि दुहुनि
न्ह ॥ १५० ॥ सीय मा तु मनमुदि ॥ छ ॥
॥ १५१ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

तउ तारति आरती॥ कौ कहि स
क उग्रनंद मगल मय भारती॥
५५१ जुवति जुथ रनिवास रस
नसए हि विधि दिए षि सिज
मसकल मंगल निधि॥५५२॥
॥छंद॥ मंगल निधि नविलोकि
लोचन लाहु लूटति नागरी॥ द
ुजन कहि हु कुवर कुवरि वा
हसुनि औ नद मही॥ कल्यान
मो कल्यान पाउ विनान घर वि
मन मोह सुरधेनु सिसु सम
निसहि न मोनहु कलपतरु सो
हइ॥१॥ जनक ग्रनु जत नया
है परम मनोरम॥ जेठ भरत कै

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tr

हँव्याहिहरुपरातेसयल मा॥१५॥
लियलघुभगिनिलषन कँहरू
चउजागहिलषन ग्रन्थ जश्रुति
कीरतिसवगुन आगरि॥१५४॥
रामविवाहसमान व्याहतीनिउ
मए जीवनफललोचनफलवि
धिसवकहए॥१५५॥चाउजम
एविविधिजाइनसोगालि॥
दासीदासवाजिगजहेमवसनम
नि॥१५६॥दानमानपरनामप्रेमपू
रनकिएसनथीसहितवखानवि
नयवसकरिलिए॥१५७॥जेजनवा
जेहिराउसंगसुतसुतवधु जनुपा
एफलचारसहितसाधन चहुँ॥१५
८॥चहुँप्रकारजेवनारभइबहुभो

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

तिन्ह भोजन करन जो बपु
तिसहित बरनि न्ह॥ पूर्ण॥
हिमगिरिवर नारि नाम मेनै दुहु दि
सि॥ जेवनवेउ प्रनंद सोहा
नसो नि हि॥ १६॥ छंद॥ सो
निसि सोहा नि मधुर गा नि
बाजने बाजहि॥ लो॥ न्य कियो
भोजन पा नृपो प्रमो॥ जन वा
सेहि मलो॥ बेदिसु माज धस त
जा चक जस प्रता पहि वा न हीं
सानंद मुख रव न्ह मनि गजं द
तमन करै न हीं॥ २०॥ कर क
मिलि न थक छक दि न राषिव
हीन्ह॥ जन के को न्ह पकु नार्यु
ग्र गनि न भाँति न्ह॥ १६॥ प्र

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi.

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tru

नवरतनचोलोहसुतनभूपातम्भा
मिनि॥परिनोविरहगसनौढनी
तिगइजामिनि॥१६२॥षरभरन
गरनारिनरविछिहिमनौवहि
बारबारसमुझिरिसमजेहिग्र
वहि॥१६३॥सकलचलनकेस
जजनकसाजतभस॥भाइन्ह
सहितरामतवभूपभरनाग
र॥१६४॥सासकुतहिप्यारीकी
हिनिकारी॥निरखिनिरखिमन
हरषहिमूरतसोवी॥१६५॥मा
मेठीकुलरामनवर॥निकसतामं
हि॥नरहरिसकुचसंभुधनुलेकि
पारब्रह्मपरि॥१६६॥सीयसहि

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri Sarayu T

तस्य वस्तु तासौंपि कर जोरहि॥
बारबार छुनाय हि निरषिनि
होरहि॥१६७॥तातजिय जनि
छोहमयारा पविमन॥प्रनुच
रजानवराउ लौकितपुरपहिंचा
न॥१६८॥छंद॥जनजा।निकरव
सनेहबलि दीनवचनलै
नावहो॥प्रतिप्रेमवारहिवार
नीवालकहिंन्हारलावहि॥भय
चलनपुरजननारिहयगजविंह
जमगव्याकुलभएसुनिवि न
यसासप्रबोधितवरछवसमु
पितुपहिंगए॥२१॥परेउनिसा
नहिखाउराउप्रबधिचले॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

C-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Tru

सुरगनवरषाहरुमनसगुन
पावहिभले ॥९८॥ जनकजानि
किहिभेटिसिषाइसिषावनासु
हिनसकिवगुरबंधुचलेपहुचा
वन ॥९७॥ भूमिपुलकिकहराउ
किरिकअवराजनकरतपरस
परविनयसकलगुनभाजनाहि
७५ कहेउजनकजोरकोनल
मोहिआपनाहघुकुलतिलक
सबानुजउपजनथापन ॥९७॥
बिलगनमानबोरजोबोलप
ठाएउप्रमुप्रसादजसुजानि
सकलसुषपाए ॥९८॥ पुनिव
सिष्ठमुनिश्रादिकबहिमहीप

॥ ४५ ॥
॥ २९ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

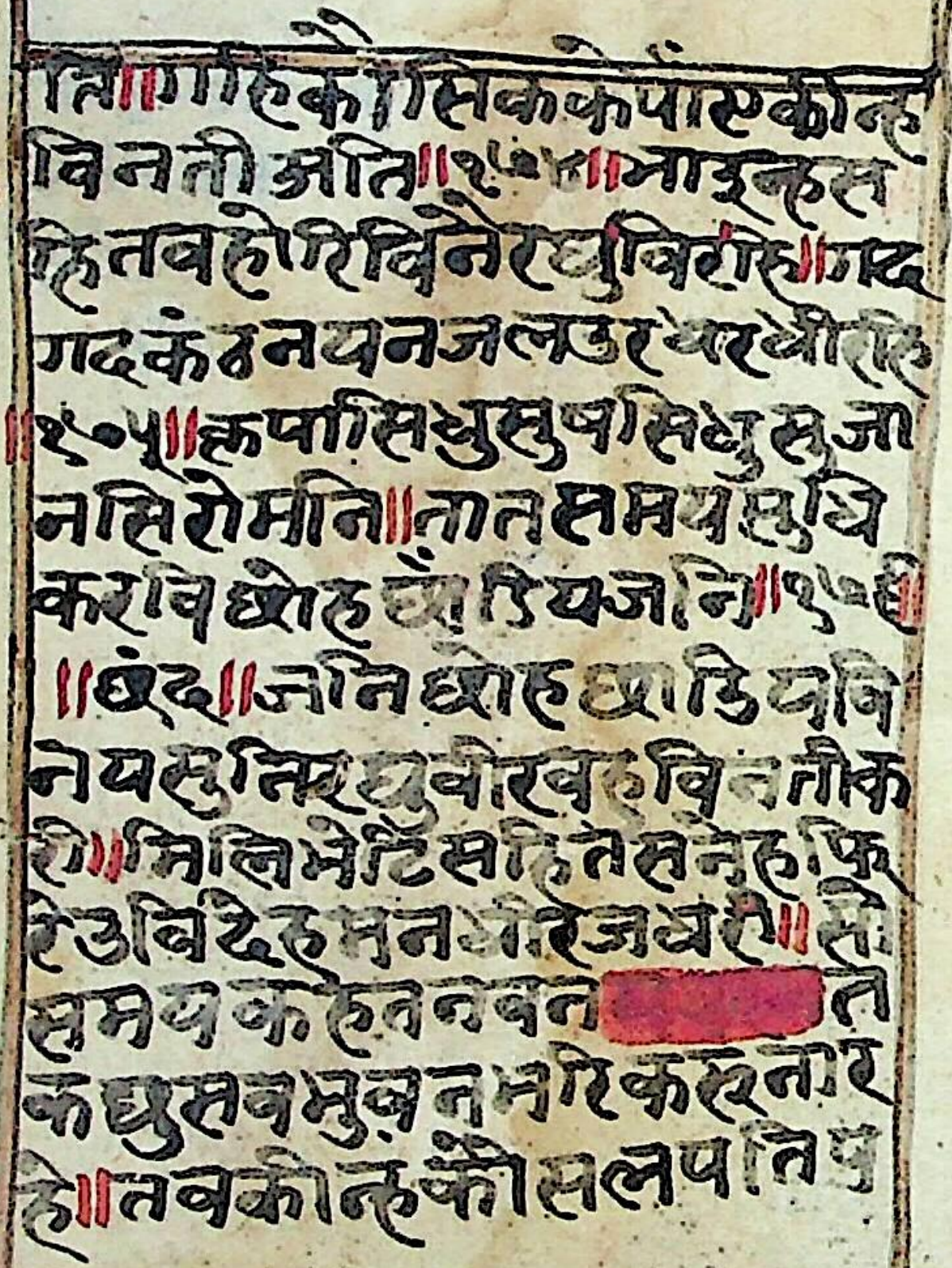

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

यानन्हिलीन्हवाजहिंगहगहे
॥२४॥पंथमिलेभृगुनाथहाथ
फरसालियेहोटहिआँखिदेखा
वाउकोपदाहनकेये॥२५॥
रामकीन्हपरितोषरोषरिसप
रिहरि॥चलेसौंपिसारंगसुफ
लसोचनकरि॥२६॥रघुवर
भुजबलदेखिउछाहचरातिन
मुदितराउलखिसनमुखविधि
सचसौंतिन्ह॥२७॥एहिवि
धिव्याहिसकलसुतजगज
सुछाएउ॥मगलोगनिमुष
दितमनोरथपाएउ॥२८॥
होहिंछंमंगलसगुनसुमनसे
बरषहिं॥नगरकोलाहलभे

॥ एम ॥
॥ २३ ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

एम॥
जी०॥
१४॥

रुनागरनरहरषहिं॥१८॥घाट
वाटपुरबाजारबनाँवहि॥वी
थीसींचिसुगंधसुमंगलगावहि
हि॥१८१॥चौकेपूरेचारुकलश
ध्वजसाजहि॥विविधिप्रकार
गहागहबाजनबाजहि॥१८३॥
॥छंद॥नरनारिवितानपताकाध
रधरहिंपल्लवफलसपल्लवतंग
लतरुवर॥१८४॥छंद॥मंगल
निटबमंजुलविपुलदधिद
बजक्षतरोचना॥करिथारआ
रतिसजहिसबसारंगसावक
लोचना॥मनमुदितकौसल्य
ल्यासुमित्रासकलभूपति

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

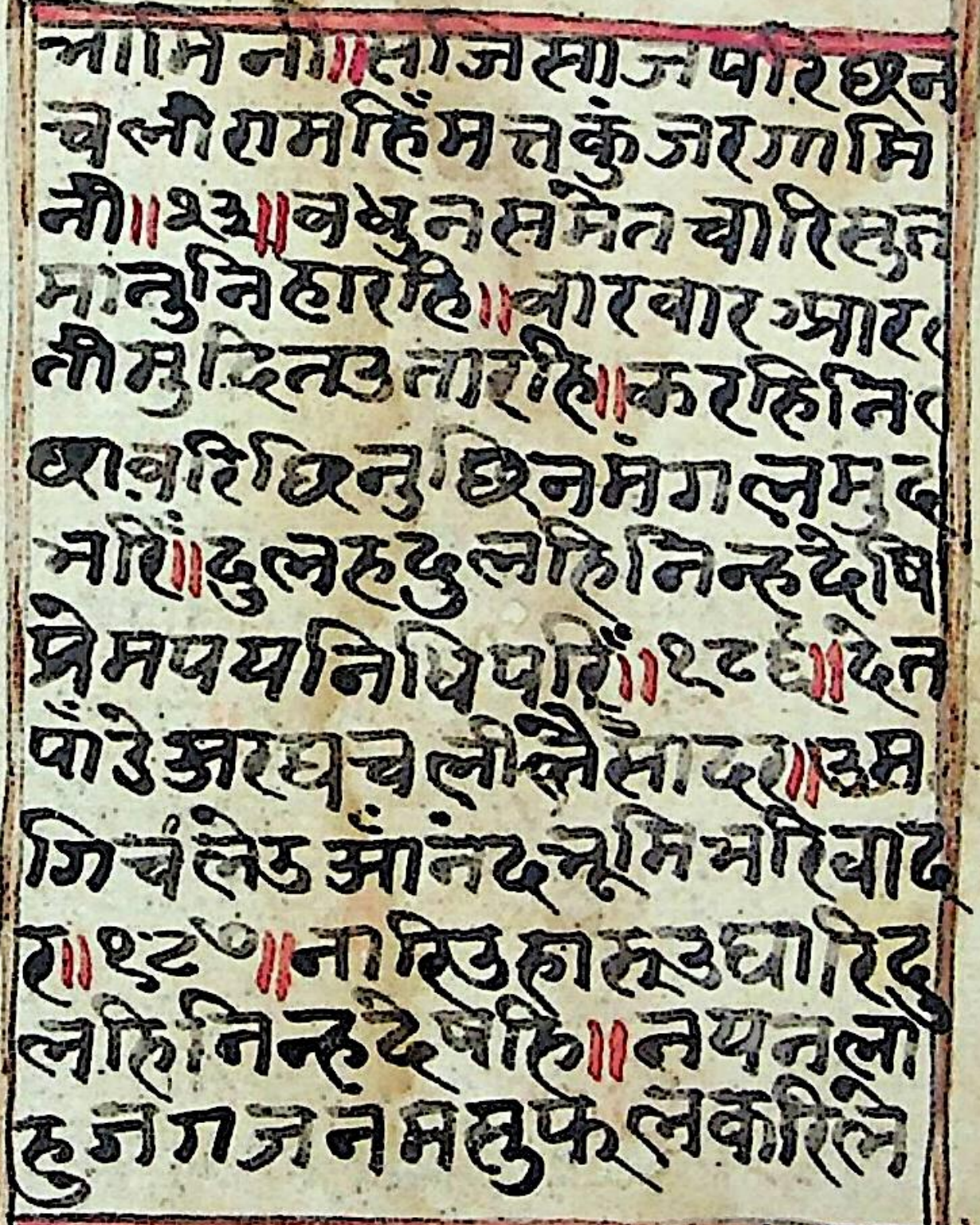

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

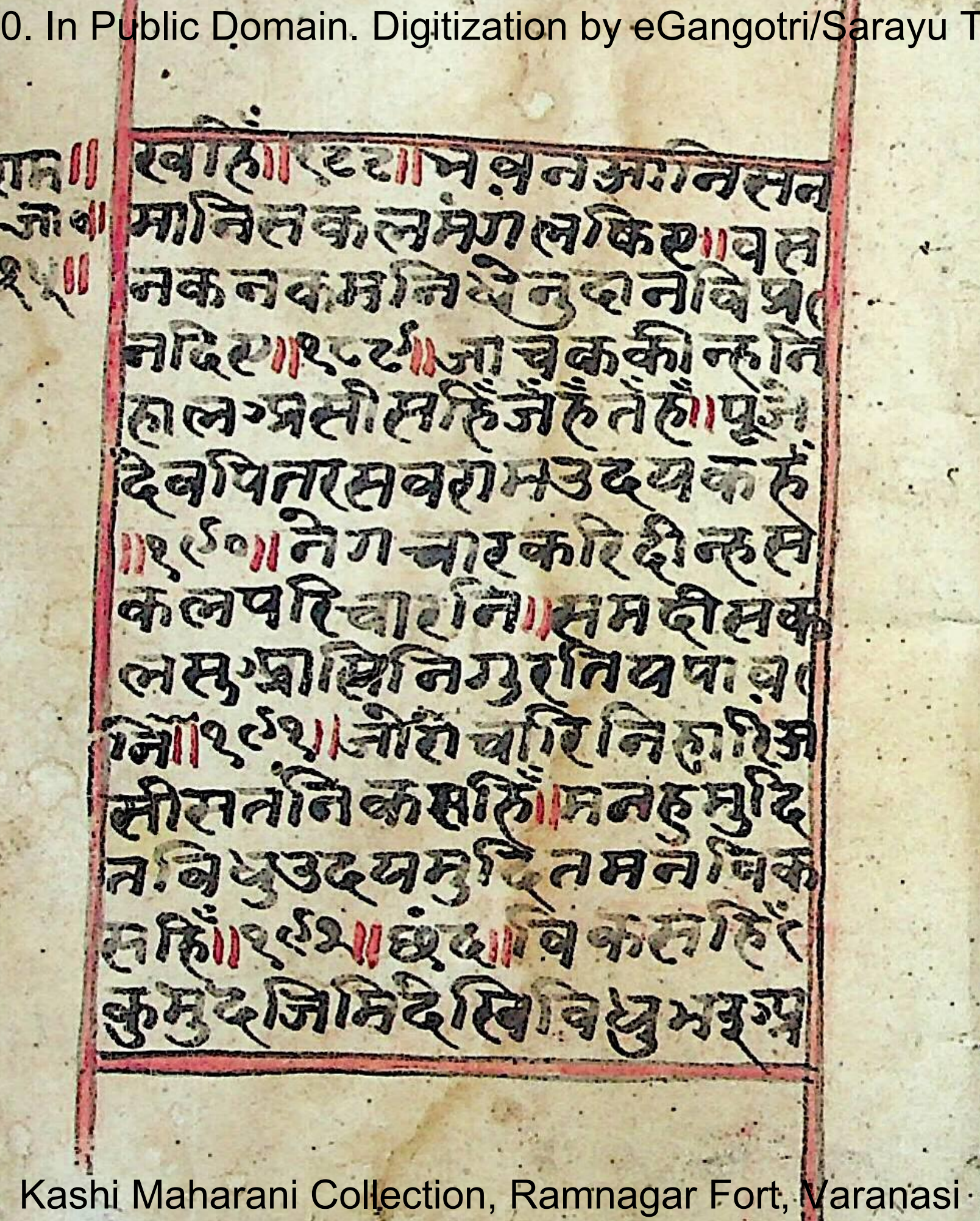

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

श्री

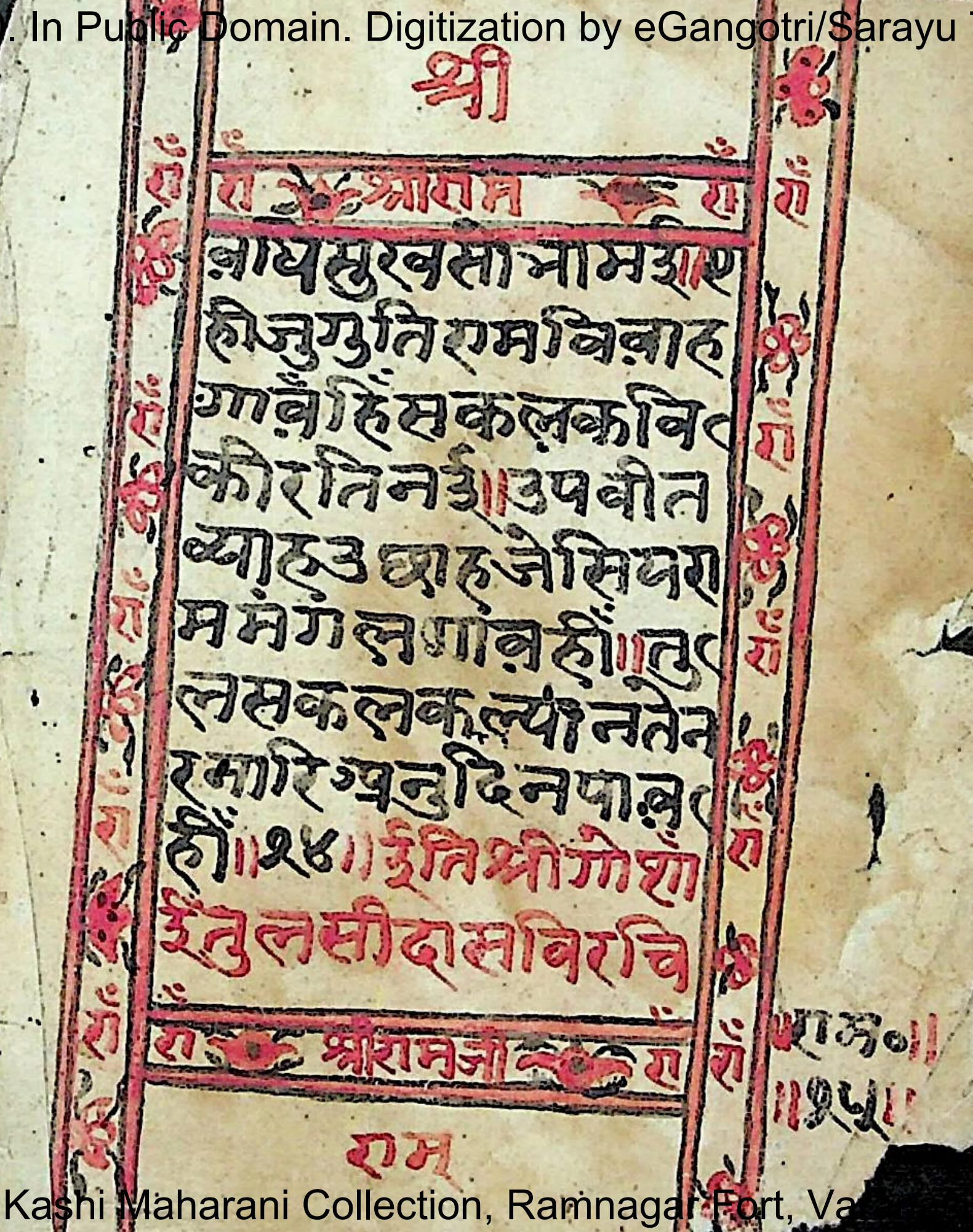

राघसुरवसाभामश्राण
हीजुगुतिरमविवाह
गावैहिंसकलकविव
कीरतिनईउपवीत
व्याहउछाहजेसिभय
मंगलगावहीं॥६
लसकलकल्यानतेन
रमारिश्रनुदिनपालव
हीं॥२४॥इतिश्रीगीता
इतुलसीदासविरचि

श्रीरामजी

राम॥
॥१५॥

राम

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Va

0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu T

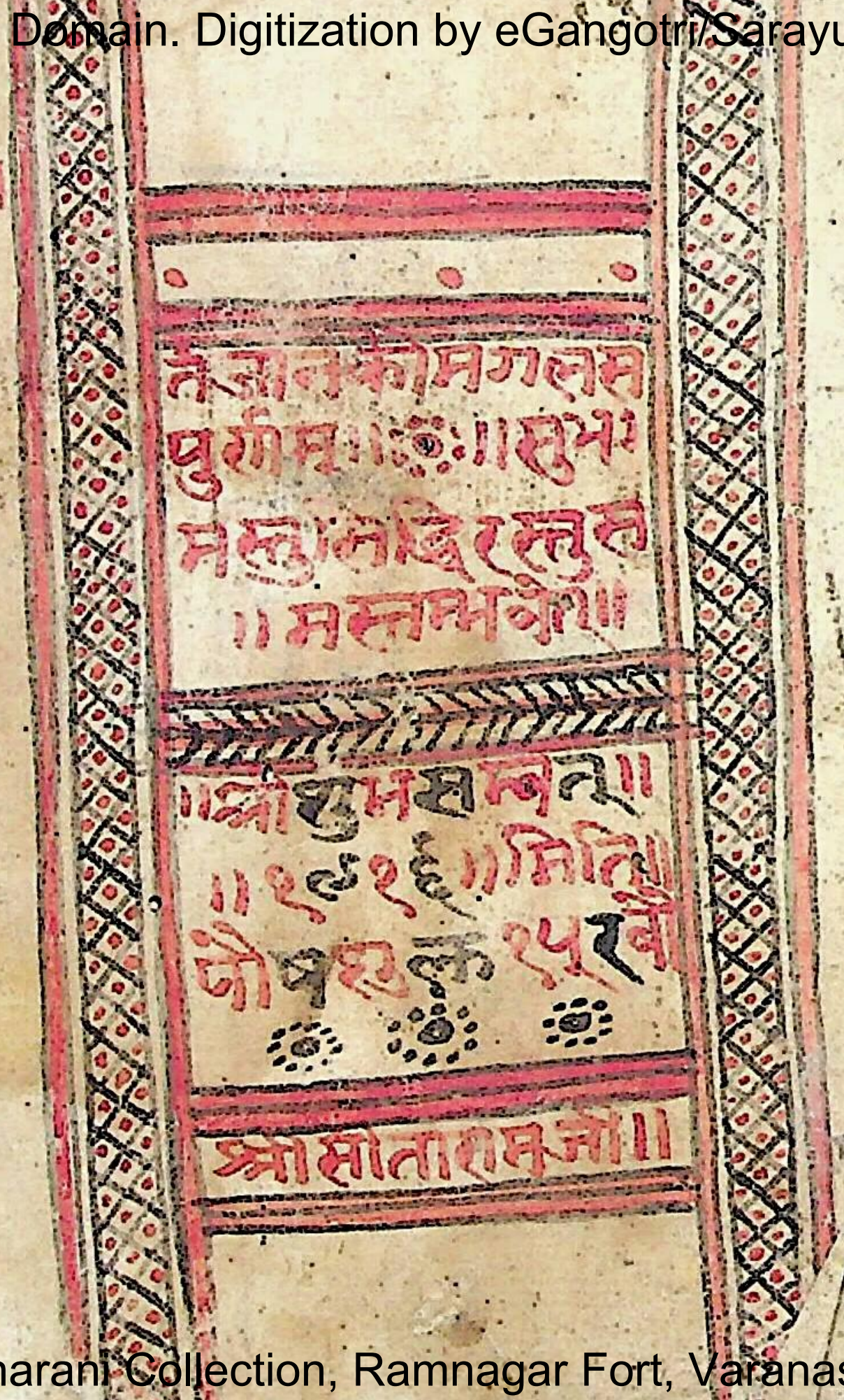

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi